सं0–625/उन्तीस(2)/06–2(99पे0)/2005

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग–2 देहरादूनः दिनांक27 मार्च, 2006

विषयः वित्तीय वर्ष 2005–06 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद नैनीताल, जनपद पौड़ी जनपद उधमसिंह नगर एवं जनपद अल्मोड़ा की पम्पिंग पेयजल योजनाओं के ओटोमेशंन कार्यो की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1543/पम्पिंग पे0यो0/ दिनांक 03.12.2005 के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पम्पिंग पेयजल योजनाओं के आटोमेंशन कार्यो हेतु जनपद नैनीताल के रू0 553.00 लाख, जनपद पौड़ी के रू0 420.33 लाख जनपद उधमसिंह नगर के रू0 88.00 लाख एवं जनपद अल्मोडा के रू0 220.57 लाख के प्राक्कलनों पर टी0ए0सी0 के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि कमशः रू0 406.34 लाख (रू0 चार करोड़ छः लाख चौंतीस हजार मात्र), रू0 410.82 लाख (रू0 चार करोड़ दस लाख बयासी हजार मात्र), रू0 84.50 लाख (रू0 चौरासी लाख पचास हजार मात्र) एवं रू0 218.70 लाख (रू0 दो करोड़ अठारह लाख सत्तर हजार मात्र) अर्थात कुल रू0 1120.36 लाख (रू0 ग्यारह करोड़ बीस लाख छत्तीस हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2005–06 में ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अंतर्गत निम्न विवरणानुसार कुल रू0 250.00 लाख (रू0 दो करोड पचास लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि रू0 लाख में)

क0 सं0	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	अवमुक्त धनराशि
1	जनपद नैनीताल के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितीकरण	406.34	75.00
2	जनपद पौडी गढवाल के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितीकरण	410.82	75.00
3	जनपद उधमसिंह नगर के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितीकरण हेतु	84.50	50.00
4	जनपद अल्मोडा के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितीकरण हेतु	218.70	50.00
	योगः–		250.00

क्रमशः 2

2– उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त आटोमेशन की लाभ लागत का विश्लेषण करके आगामी किश्त के समय उक्त विश्लेषण शासन को प्रस्तुत किया जायेगा और इससे स्टाफ में कितनी कमी होगी और अनुरक्षण में लागत की कमी का भी विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे। उक्त जनपदों में आटोमेशन पूर्ण होने तथा उक्त विश्लेषण पूर्ण होनें के बाद उसकी उपादेयता सिद्ध होने पर हीं उक्त जनपदों में आटोमेशन किया जायेगा।

3– स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

4– कार्य की लागत के सापेक्ष सेंटेज चार्जेज वर्तमान में प्रचलित दरों के आधार पर लिया जायेगा। जो कि किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। यदि इससे अधिक सेंटेज लिया जाना पाया जाता है तो इस हेतु विभागाध्यक्ष का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

5– स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग के पश्चात उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही अवशेष धनराशि आवंटित की जा सकेगी।

6– आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरें को जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

7– कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

8– कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

9– एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

10– कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

11– कार्य करने से पूर्व स्थल की भली भॉति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले।स्थल निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

क्रमश..3

12– आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

13– निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

14–कार्य की गुणवत्ता एंव समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

15–उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005–06 में अनुदान सं0–13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक"2215–जलापूर्ति तथा सफाई–01–जलापूर्ति– आयोजनागत –102– ग्रामीण जलापूर्ति कार्यकम–03–ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर–00–20–सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा ।

16– यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0– 209/XXVII(2)/2006 दिनांक 24 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

पृ0सं0625/उन्तीस(2)/06–2(99पे0)/2005,तददिनांक

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून ।
2. मण्डलायुक्त कुमॉयू मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग–2/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफ ऑफिसर–मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)
अन सचिव